10 June, 2018 | Dainik Bhaskar
Page 18, Pipariya

सुविधा | डब्ल्यूडीआरए से जुड़े वेयर हाउसों में हाथ पर्ची सिस्टम होगा खत्म, पर्ची खोने आदि में किसानों की चिंता होगी खत्म

अब किसानों को मिलेगी इलेट्रॉनिक पर्ची

भास्कर संवाददाता | पिपरिया

वेयरहाउस डेवलपमेंट और रेग्युलेटरी अथॉरिटी से पंजीबद्ध वेयर हाउसों के तकनीकी सहयोग के लिए एनईआरएल (नेशनल ई-रिपोजिटरी लिमिटेड) काम कर रहा है। एनईआरएल के एमडी केदार देश पांडे ने भास्कर से चर्चा में बताया किसानों को उनके उपज भंडारण के एवज में इलेक्ट्रॉनिक वेयर हाउस रसीद जारी करने का काम एनईआरएल ने शुरू कर दिया है। इसके लिए रजिस्टर्ड वेयर हाउसों को साफ्टवेयर देने का काम भी एनईआरएल कर रहा है।

देशपांडे ने बताया कि किसानों को वेयर हाउस में उपज भंडारण के बाद इलेक्ट्रॉनिक पर्ची जारी होगी। जो गुम हो जाए तो वह ऑनलाइन फिर निकाली जा सकती है। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक पर्ची के एवज में बैंक लोन भी किसानों को मिल सकेगा। देश पांडे ने बताया अभी किसानों को हाथ बनाकर पर्ची मिलती है जो गुम हो जाए तो उपज भंडारण का प्रूफ नहीं होता है। इन समस्याओं से यह साफ्टवेयर मुक्ति दिलाता है।किसानों को भंडारण सुविधा और जोखिम कम करने का काम एनईआरएल कर रहा है। वेयर हाउस सिस्टम ऑनलाइन होगा तो पारदर्शिता भी बढ़ेगी। गौरतलब है कि पिछले माह 26 मई को एनईआरएल और डब्ल्यूडीआरए ने एक संयुक्त कार्यशाला पिपरिया में की थी। जिसका उद्देश्य डब्ल्यूडीआरए से रजिस्ट्रेशन बढ़ाना और वेयर हाउस को ऑनलाइन करने वाली व्यवस्था के प्रति जागरण करना था। वेयर हाउस ऑनलाइन होने पर जमाकर्ता ऑनलाइन देखकर डिपॉजिट के प्रयास कर सकता है। एनईआरएल को यह कार्य की जिम्मेदारी डबल्यूडीआरए ने दी है।

गौरतलब है कि वेयर हाउसों का रिकॉर्ड एक स्थान पर केंद्रित होकर संधारित किया जा सके इसके लिए भी प्रयास हो रहे हैं। प्रदेश में करीब 350 वेयर हाउस हैं। इनमें से डीडब्ल्यूडीआए से पंजीकृत वेयर हाउसों की संख्या 160 के आसपास है। डब्ल्यूडीआरए रजिस्ट्रेशन बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा है। एनईआरएल के हेड ऑफ मार्केटिंग अभिषेक राय ने बताया देश भर में डब्ल्यूडीआरए से पंजीकृत वेयर हाउसों की संख्या करीब 1300 है। हालांकि देश भर में वेयर हाउसों की संख्या तो ज्यादा है। लेकिन सभी डब्ल्यूडीआरए से संबंधित नहीं है। अधिकारियों के मुताबिक सभी वेयर हाउसों को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। राय ने बताया पिपरिया और आसपास क्षेत्र में करीब 100 वेयर हाउस हैं। पिपरिया में करीब 50 वेयर हाउस हैं।

इनमें करीब 4 लाख मीट्रिक टन भंडारण क्षमता है। इसलिए पिछले माह कार्यशाला भी की थी। पिपरिया वेयर हाउस ऑनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष बालकिशन टावरी ने बताया पिपरिया से करीब 20 वेयर हाउस डब्ल्यूडीआरए से संबंद्धता लेंगे। उन्होंने बताया उन्होंने भी आवेदन कर दिया है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही है। कुछ वेयर हाउस मप्र सरकार से पंजीकृत होकर कार्य कर रहे हैं।